खण्ड-11, अंक-1, वर्ष-2023, मु0प्र0 104-112
D.O.I.: https://doi.org/10.22445/avsp.v11i1.15
SJIF (2023) : 8.124

Mission LiFE : A Strategic Lifestyle for the Environment

Pratibha Gupta
Central Botanical Laboratory
Botanical Survey of India
Ministry of Environment Forest and Climate Change
Government of India, Howrah - 711 103, West Bengal, India
drpratibha2014@gmail.com

Received: 31-08-2023, Accepted: 18-10-2023

Abstract – Mission repercussions LiFE is a campaign which is directly related with the environment. In view of the serious consequences of climate change at present, this campaign was started in India. Mission Life is a global action plan implemented with the aim of protecting against the devastating consequences of climate change. By the launch of Mission LiFE, India has given message to the entire world that India is sensitive in this important issue of climate change and working seriously in this direction. If human makes minor changes in their daily lifestyle, the environment can be saved from any major danger. In this article, there is a detailed description of Mission LiFE and under it seven categories of 75 point of lifestyle exercises have been given. The purpose of Mission LiFE is to sensitise the people and ask to adopt and follow life style suitable with the environment.

Key words- Mission LiFE, Environment, Climate Change, campaign, Lifestyle, Action Plan

मिशन लाइफ–पर्यावरण के लिये अनुकूल जीवन शैली

प्रतिभा गुप्ता
केन्द्रीय वनस्पति प्रयोगशाला, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार
वनस्पति उद्यान, हावड़ा–711 103, पश्चिम बंगाल, भारत
drpratibha2014@gmail.com

सार– मिशन लाइफ एक अभियान है जिसका सीधा संबंध पर्यावरण से है। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणामों को देखते हुए इस अभियान का शुभारंभ भारत में किया गया। मिशन लाइफ जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी परिणामों से बचाने के उद्देश्य से लागू की गई एक वैश्विक कार्य योजना है। इसकी शुरुआत के साथ ही भारत ने पूरे विश्व को यह संकेत दे दिया है कि वह जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर संवेदशील है और इस दिशा में गंभीरता से कार्य कर रहा है। अगर मानव अपनी नित्य जीवनशैली में थोड़ा सा परिवर्तन कर ले तो पर्यावरण को किसी बड़े खतरे से बचाया जा सकता है। प्रस्तुत आलेख में मिशन लाइफ का विस्तृत विवरण एवं इसके अन्तर्गत सात समूहों के 75 सूत्री जीवन शैली अभ्यासों जिनका उद्देश्य लोगों को मिशन लाइफ अर्थात् पर्यावरण के लिए अनुकूल जीवन शैली अंगीकृत करने के लिये कहा गया है।

बीज शब्द– मिशन लाइफ, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, अभियान, जीवन शैली, कार्य योजना

1. **परिचय–** मिशन लाइफ विश्व में तीव्र गति से बदलते जलवायु परिवर्तन को संतुलित करने का एक वैश्विक आंदोलन है। मिशन लाइफ योजना के अन्तर्गत भारत अपने नेतृत्व में विश्व के सभी शीर्ष कार्बन उत्सर्जन करने वाले देशों के साथ मिलकर वैश्विक तापमान को कम करने हेतु एवं जलवायु परिवर्तनों से होने वाले दुष्परिणामों को सीमित करने को लेकर कार्य कह रहा है। संपूर्ण विश्व में चल रहे जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर जहाँ अमेरिका जैसा देश पीछे हट गया वहीं भारत आज संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर इस दिशा में विश्व को राह दिखा रहा है। मिशन लाइफ संयुक्त राष्ट्र के सतत विकासा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिये भारत की वैश्विक पहल है। यह विचार पहली बार 2021 में ग्लासगो में पार्टियों के 26 वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP–26) में रखा गया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने केवड़िया, गुजरात में स्टैचू ऑफ यूनिटी के निकट संयुक्त राष्ट्र के महासचिव श्री एंटोनिया गुटेरेस की उपस्थिति में मिशन लाइफ का शुभारम्भ किया[1,2]। यहाँ लाइफ का अर्थ "लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट है" अर्थात् पर्यावरण के लिये जीवन शैली, और उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन का मुद्दा हर जगह/स्थान पर देखा जा रहा हैं। ग्लेशियर पिघल रहे हैं नदियाँ सूख

रही है। इन परिस्थितियों में मिशन लाइफ जलवायु संकट से उबरने में मददगार होगा। मिशन लाइफ एक ऐसा अभियान है जो हर एक व्यक्ति से सीधा जुड़ा है क्योंकि मिशन लाइफ में हर उस बात पर बल दिया गया है जो पर्यावरण से जुड़ी है, यदि पर्यावरण को हम बचायेंगे तभी तो हम भी बच पायेंगे। अगर मानव अपनी दैनिक जीवन शैली में थोड़ा सा परिवर्तन कर ले तो पर्यावरण को किसी बड़े खतरे से बचाया जा सकता है।[3, 4] मिशन लाइफ पी 3 मॉडल का अनुसरण करता है जो प्रो प्लेनेट पीपल की भावना को प्रोत्साहन प्रदान करता है। यह मॉडल लाइफस्टाइल ऑफ द प्लेनेट, फॉर द प्लेनेट एवं बाय द प्लेनेट के मूल सिंद्धातों पर कार्य करता है। इस मिशन को लागू करने का सीधा लक्ष्य जलवायु परिवर्तन के असर को कम करने की कोशिश करना है इसके लिये तीन नियम बनाये गये हैं। जहाँ विकास, आर्थिक विकास और स्थिरता को संतुलित करने के लिये रिड्यूस (कम करना), रीयूस (पुनःउपयोग) एवं रीसायकल (पुनःचक्रण) की अवधारणा महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ यह हुआ कि निश्प्रयोज्य की चीजों को रिडयूज करना अर्थात् बेवजह की चीजों को कम करना, पुनः उपयोग में लाना और कचरा घटाने के लिये उसे रिसायकल अर्थात् पुनःचक्रण करना।[1–4]

मिशन लाइफ भारत के नेतृत्व वाला पहला वैश्विक जन आंदोलन है जो पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिये व्यक्तिगत और सामूहिक कार्यवाही को प्रेरित कर रहा है।

2. मिशन लाइफ का उद्देश्य–

2.1 मिशन लाइफ का उद्देश्य लाइफ के दृष्टिकोण के योग्य प्रभाव में बदलना है।
2.2 मिशन लाइफ को कम से कम एक अरब भारतीयों को एकजुट करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है और अन्य वैश्विक नागरिकों की सुरक्षा के लिये व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्यवाही 2022 से 2027 की अवधि में पर्यावरण का संरक्षण।
2.3 भारत के, सभी गाँवों एवं शहरी स्थानीय निकायों में से कम से कम 80% को 2028 तक पर्यावरण अनुकूल बनाने का लक्ष्य है।
2.4 इसका प्रमुख उद्देश्य व्यक्तियों एवं समुदायों को समकालिक जीवन शैली अपनाने के लिये प्रेरित करना है।
2.5 प्रकृति के साथ छेड़ छाड़ नहीं करनी है एवं क्षति नहीं पहुँचाना ऐसी जीवन शैली अपनाने वालों को मान्यता दी जाती है।

3. मिशन लाइफ विश्व के लिये महत्वपूर्ण क्यों हैं?

3.1 पर्यावरण का क्षरण एवं जलवायु परिवर्तन ने सम्पूर्ण विश्व के पारिस्थितिक तंत्र एवं जनसंख्या को प्रभावित किया है।
3.2 2^0C तापमान बढ़ने पर सूखे के कारण लगभग 3 अरब लोगों को जल की कमी अनुमानित है।
3.3 यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यदि वैश्विक स्तर पर कोई तत्काल कार्यवाही नहीं की गयी तो GDP में 18% तक का ह्यस हो सकता है।

4. कार्यान्वयन–

4.1 इसके कार्यान्वयन हेतु सामूहिक रुप से कार्य करके आपसी सम्पर्क एवं संवाद से जलवायु परिवर्तन के अभीष्ट को प्राप्त किया जा सकता है।
4.2 मंत्रालयों / विभागों द्वारा समन्वित एवं ठोस कार्यवाही।
4.3 व्यक्तियों, समुदायों और संस्थानों के लिये 75 लाइफ कार्यों की सूची संकलित की गयी है जिन पर अमल करके जीवन के उद्देश्यों की पूर्ति की जा सकती है।
4.4 सभी जीवन कार्यवाही संकेतकों के आधारभूत स्तर की जानकारी प्राप्त करने के लिए एक आधारभूत सर्वेक्षण आयोजित करें जिसके आधार पर उद्देश्य की पूर्ति का आंकलन किया जा सके।
4.5 प्रमुख प्रदर्शन संकेतक की पहचान और लाइफ कार्यों का प्रभाव।
4.6 लाइफ नियंत्रण पट्ट का निर्माण।

5. **मिशन लाइफ स्थिरता के प्रति सामूहिक दृष्टिकोण में मुख्य परिवर्तन–** वैश्विक कार्यक्रम के रुप में मिशन लाइफ स्थिरता के प्रति हमारे सामूहिक दृष्टिकोण में तीन मुख्य बदलावों की कल्पना है जो निम्नवत् है–

5.1 **चरण–1** – माँग में बदलाव – विश्व में व्यक्तियों को पर्यावरण–अनुकूल कार्यों को अमल में लाने के लिये प्रेरित करना।
5.2 **चरण–2** – आपूर्ति में परिवर्तन – बड़े पैमाने पर व्यक्तिगत मांग में बदलाव से उद्योगों एवं बाजारों को धीरे–धीरे प्रतिक्रिया देने एवं संशोधन के अनुसार आपूर्ति और खरीद करने की उम्मीद है।

5.3 **चरण–3** – नीति में बदलाव – भारत एवं विश्व की माँग एवं आपूर्ति की गतिशीलता को प्रभावित करके, मिशन लाइफ का

दीर्घकालिक दृष्टिकोण बड़े पैमाने पर औद्योगिक एवं सरकारी नीतियों में बदलाव लाना है जिससे टिकाऊ खपत एवं उत्पादन दोनों का समर्थन कर सकते हैं।

6. **मिशन लाइफ के सात समूहो के अर्न्तगत पच्छत्तर सूत्री पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली–** मिशन लाइफ के प्रथम चरण में दैनिक जीवन में व्यक्तियों, समाज एवं संस्थाओं द्वारा पर्यावरण अनुकूल उत्पादों का प्रयोग करना और पर्यावरण के लिये हानिकारक उत्पादों के उपयोग को नकारना सबसे महत्वपूर्ण है। क्योंकि मिशन लाइफ का उद्देश्य व्यक्तिगत एवं सामूहिक स्तर पर सूक्ष्म उपायों एवं कार्यों को लागू करके जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना है। आजादी के 75 वें वर्ष में, 7 विभिन्न समूहों में 75 सूत्री जीवन शैली अभ्यासों को विभाजित करके जीवन पद्धति में अपनाने हेतु निर्धारित किया गया है जो निम्नवत् है–

6.1 **ऊर्जा की बचत–**

1. एलईडी बल्ब / ट्यूब–लाइट का प्रयोग करें।
2. जहाँ तक संभव हो सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें।
3. जहाँ तक संभव हो लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों का प्रयोग करें।
4. लाल बत्ती एवं रेलवे क्रॉसिंग पर वाहन के इंजन को बंद कर दें।
5. स्थानीय या छोटी यात्रा के लिये जहाँ तक हो सके साइकिल का उपयोग करें।
6. उपयोग के पश्चात् सिंचाई पंपों को बंद कर दें।
7. पेट्रोल / डीजल वाहनों की तुलना में सीएनजी / इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता दें।
8. मित्रों एवं सहकर्मियों के साथ कारपूलिंग का प्रयोग करें।
9. गाड़ी हमेशा गति के अनुरूप सही गेयर में चलाये। जब गेयर नहीं बदल रहे हैं तो अपना पैर क्लच से दूर रखें।
10. छतों पर सोलर वॉटर या सोलर कुकर हीटर स्थापित करें।
11. विद्युत उपकरण जिस समय प्रयोग नहीं किये जा रहे हैं उस समय उन्हें प्लग पॉवाइन्ट से बंद कर दें।
12. भोजन बनाने एवं विद्युत आवश्यकता हेतु बायोगैस का प्रयोग करें।
13. एयर कंडीशनर का तापमान 25 डिग्री या उससे अधिक रखें।
14. भोजन बनाने के अन्य बर्तनों की तुलना में प्रेशर कुकर को प्राथमिकता दें।
15. अपने सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को ऊर्जा बचत मोड में रखें।
16. उन उपकरणों के लिए स्मार्ट स्विच का उपयोग करें जिनका उपयोग बार–बार किया जाता है।
17. जल को ठंडा करने के लिये मिट्टी के बर्तन का प्रयोग करें।
18. फ्रिज या फ्रीज़र की बर्फ नियमित रुप से साफ करते रहें।
19. कसरत वाले उपकरण (ट्रेडमील) के उपयोग के बजाये खुले मैदान में दौड़ें।

6.2 **जल की बचत–**

1. कम जल उपयोग करने वाली फसलें जैसे मोटे अनाज अधिक उपजायें।
2. अमृत सरोवर योजना के माध्यम से ग्रामीण जलाशयों के पुर्नभरण में अपनी भागीदारी निभायें।
3. विविध प्रकार की फसले उगायें चावल एवं गेहूँ के स्थान पर दलहन एवं तिलहन की खेती पर जोर दें।
4. जल संरक्षण हेतु जल बचाने वाली प्रौद्योगिकियों (विधियों) का उपयोग करे (जैसे सूक्ष्म सिंचाई, मेंड़बंदी, खेत तालाब, शून्य जुताई, सीधी बुआई वाला चावल, वैकल्पिक रुप से गीला करना और सुखाना एवं अन्य)।
5. घरों / स्कूलों / कार्यालयों में वर्षा के जल के संचयन हेतु बुनियादी ढ़ांचा तैयार करें।
6. जहाँ भी संभव हो सके, अपशिष्ट पदार्थों से निर्मित ड्रिप सिंचाई प्रणाली का उपयोग करें।
7. धुली हुई सब्जियों के जल को पौधों में जल देने और अन्य प्रयोजनों के लिये पुनः उपयोग करें।
8. भारी बर्तनों को धोने से पहले उन्हें भिगा दें।
9. जब भी नलों में ताजा जल आ रहा हो तो पहले से संग्रहित जल को न फेंकें।
10. पौधों को जल देने के लिए एवं फर्श / वाहनों को धोने के लिये होज पाइप के वजाय बाल्टियों का उपयोग करें।
11. फ्लश, नल एवं वॉटरपाइप में रिसाव होने पर उसे ठीक करें।
12. नल, शॉवरहेड एवं टॉयलेट फ्लश इकाइयों के लिये जल–कुशल फिक्सचर का प्रयोग करें।
13. नियमित रुप से जल के उपयोग का आंकलन करने के लिये अपने घर में जल के मीटर का प्रयोग करें।
14. बर्तन साफ करने, पौधों को जल देने एवं अन्य कार्यों के लिये एसी / आरओ से निकले जल का पुनः उपयोग करें।
15. ऐसी जल शोधन प्रणाली को प्राथमिकता दें जिसमें जल की बर्बादी कम हो।

6.3 एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग कम करें–

1. खरीदारी के लिये प्लास्टिक बैग की जगह कपड़े के थैले का प्रयोग करें।
2. जहाँ तक संभव हो अपनी खुद की जल की बोतल ले जायें।
3. भंडारण बक्सों के रूप में कांच के कंटेनर / प्लास्टिक वस्तुओं की पैकेजिंग का पुनः उपयोग करें।
4. शहरों एवं जलाशयों के सफाई अभियान में सक्रिय भागीदारी बनाये रखें।
5. समारोहों एवं आयोजनों के दौरान गैर–प्लास्टिक पर्यावरण अनुकूल कटलरी का उपयोग करें।
6. नल का उपयोग ना होने पर चालू नल को बंद कर दें।
7. सैनिटरी नैपकिन की जगह मेंस्ट्रुअल कप का प्रयोग करें।
8. जहाँ तक संभव हो, वर्जित प्लास्टिक के स्थान पर पुनः चक्रित प्लास्टिक का उपयोग करें।
9. स्टील / पुनः उपयोग किये जा सकने वाले प्लास्टिक लंच बॉक्स एवं पानी की बोतलों का उपयोग करें।
10. दूध, छाँछ, इत्यादि के पैकेजिंग बैग को कोने से काटकर अलग करने के बजाय पैकेट को किसी एक स्थान से थोड़ा सा काटकर दूध एवं छाँछ निकाले। इसे जैविघटनकारी अपशिष्ट में मिलने से बचायें।
11. प्लास्टिक के स्थान पर बांस के टूथब्रश एवं नीम की लकड़ी से बनी कंघी का प्रयोग करें।

6.4 टिकाऊ खाद्य प्रणाली अपनायें–

1. आंगनबाड़ी एवं पी डी योजना के माध्यम से मध्याह्न भोजन में मोटे अनाज को आहार में सम्मिलित करें।
2. घरों / स्कूलों / कार्यालयों में किचन गार्डन / सब्जी का बाग / छत उद्यान बनाये।
3. गाय के गोबर से जैविक खाद बनायें और खेतों में डालें।
4. स्थानीय स्तर पर उपलब्ध एवं मौसमी खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता दें।
5. भोजन की बर्बादी बचाने के लिये दैनिक भोजन के लिये छोटी–छोटी प्लेटों का उपयोग करें।

6.5 अपशिष्ट में कमी (स्वच्छता गतिविधियाँ)–

1. मवेशियों के अपशिष्ट, घरेलू खाद्य अपशिष्ट एवं कृषि अपशिष्ट का उपयोग जैवईंधन बनाने के लिये करें (गोबर्धन योजना के अंतर्गत)।
2. घरों में सूखा एवं गीला कचरा अलग–अलग करके रखें।
3. कृषि अवशेष, पशु अपशिष्ट का उपयोग खाद बनाने के लिये प्रयोग करें।
4. पुराने अखबारों, पत्रिकाओं को पुनः चक्रण कर उपयोग करें।
5. उपयोग में न लायी गयी एवं बिना पकी सब्जियों का बचा हुआ हिस्सा मवेशियों को खिलायें।
6. ऐसे प्रिंटर को व्यवहार में लाये जिससे पृष्ट के दोनों ओर छपाई कर सकें।
7. पुराने फर्नीचर की मरम्मत, पुनः उपयोग एवं पुनः चक्रण करें।
8. पुनः चक्रित कागज से बने कागज उत्पाद खरीदें।
9. पुराने कपड़े एवं किताबें जरूरतमंदों को दान करें।
10. जलाशयों एवं सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंकें।
11. सार्वजनिक स्थानों पर पालतू जानवरों को मल त्याग न करायें।

6.6 स्वस्थ जीवन शैली अपनायें–

1. पोषण एवं स्वास्थ के लिये मोटे अनाज का भोजन, देशी जड़ी बूटियों एवं औषधीय पौधों का यथासंभव उपयोग बढ़ायें।
2. प्राकृतिक या जैविक उत्पादों के उपयोग को प्राथमिकता दें।
3. सामुदायिक स्तर पर जैव विविधता संरक्षण को अपनायें।
4. घरों के भीतर तुलसी, गिलोय, पुदीना, करी पत्ता, अश्वगंधा, एलोवेरा, सदाबहार आदि औषधीय पौधे लगायें व उपयोग करें।
5. प्राकृतिक या जैविक खेती अपनाएं।
6. प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के लिए अधिकाधिक वृक्ष लगायें।
7. वन्य जीवों की खाल, हाँथी दांत एवं बालों से बने उत्पाद व स्मृति चिन्ह न खरीदें।
8. सामुदायिक रुप से भोजन बैंको, कपड़ा बैंको एवं जीवों के आश्रय स्थलों का निर्माण कराये एवं स्वयं सेवक बनें।
9. अपने आवसीय क्षेत्र / स्कूल / कार्यालय में ग्रीन क्लब का आरम्भ करें एवं उसमें सम्मिलित हों।

6.7 **इलेक्ट्रानिक कचरा कम करें–**

1. इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को त्यागने के बजाय उनको मरम्मत करवा कर उनका उपयोग करें।
2. गेजेट (इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों) को निकटतम ई–रिसाइक्लिंग इकाइयों में डालें।
3. पुनः चार्ज की जाने वाली लीथियम सेल का उपयोग करें।
4. पेनड्राइव / हार्ड ड्राइव के स्थान पर क्लाउड स्टोरेज को प्राथमिकता दें।

7. **मिशन लाइफ का प्रभाव–** यह अनुमानित है कि सन् 2022–23 से 2027–28 में यदि एक अरब भारतीयों द्वारा सामान्य उपर्युक्त बिन्दुओं के अंतर्गत पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली अपनायेंगे तो दिन–प्रतिदिन कार्यों का प्रभाव महत्वपूर्ण हो सकता है, उदाहरण के तौर पर जैसे–

1. ट्राफिक लाईट / रेलवे क्रासिंग पर कार / स्कूटर के ईंजन को बन्द करके 22.5 अरब किलोवॉट ऊर्जा को बचाया जा सकता है।
2. चलते हुये नल का जब वो प्रयोग में नहीं है बन्द करके 9 खरब लीटर जल को बचाया जा सकता है।
3. प्लास्टिक बैग के स्थान पर कपड़े के थैले का उपयोग कर के 375 करोड़ टन तक ठोस प्लास्टिक को कूड़ें में जाने से बचाया जा सकता है।
4. गैर–कार्यशील उपकरणों को निकटतम ई–साइक्लिंग इकाई में प्रशमन से 0.75 करोड़ तक ई–कचरे का पुनः चक्रण किया जा सकता है।
5. घर पर अपशिष्ट भोजन को कंपोस्ट बनाने से 15 अरब टन तक भोजन को कूड़ें में जाने से बचाया जा सकता है।

8. **केन्द्रीय वनस्पति प्रयोगशाला में मिशन लाइफ का अनुपालन–** इस दिशा में जनवरी, 2023 से केन्द्रीय वनस्पति प्रयोगशाला, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा मिशन मोड में कार्यरत है एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें हम मिशन लाइफ के 7 समूहों के अन्तर्गत 75 सूत्री पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली के विषय में छात्र, छात्राओं एवं आम जनता को अधिक से अधिक अवगत करा सके कि यदि हम अपनी दैनिक दिनचर्या में पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली पर थोड़ा सा ध्यान दें तो भारत का प्रत्येक नागरिक पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन में अपना योगदान दे सकता है। इसी दिशा में हमने सर्वप्रथम यह शपथ ली, लोगों को शपथ दिलवायी एवं इस कार्यक्रम के दौरान जुड़े सभी को शपथ लेने को कहा और इसे जन–जन तक पहुँचाने का भरसक प्रयास किया जो इस प्रकार है–

"पर्यावरण को बचाने के लिये और अपने परिवार, मित्रों और अन्य लोगों को पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार के महत्व के विषय में सतत रुप से प्रेरित करेंगे"।

मिशन लाइफ के अन्तर्गत रैली का आयोजन, रैली में भाग लेना, अलग–अलग स्थानों पर जैसे स्कूलों, कालेजों, दुकानों, सार्वजनिक स्थानों, आम जनता, इत्यादि के मध्य जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मिशन के अन्तर्गत विभिन्न भाषाओं जैसे– हिंदी, अंग्रेजी, बंगला, आदि में विभिन्न स्कूलों जैसे बोटेनिकल गार्डेन, चित्तरंजन आदर्श विद्या मंदिर, डी.एस. लेन, हावड़ा; शालीमार हिंदी हाईस्कूल, हावड़ा; सरसुना कालेज, बेहाला, कोलकाता; दीनबन्धु इंस्टीट्यूशन, शिवपुर, हावड़ा, दिरोजिओ मेमोरियल कॉलेज, राजरहाट, कोलकाता; मोहसिन कालेज, चिनसुरा, हुगली एवं विभिन्न स्थानों पर जाकर जैसे बस स्टैंड, खोली मार्केट, शिवपुर, शालीमार, दन शेक लेन, अंदुल रोड, नाजिर गंज, बोकुलतला, सत्यम बोस रोड, आमतला फाड़ी, कैरी रोड, रेलवे स्टेशन, फरशा रोड, बताईतला, काजी पाड़ा, बक्सरा रोड, हास खाली पुल, हल्दर पाड़ा, संतरागाछी, मौरीग्राम, चूनाभाटी, पोदरा, दुईला, रामराजतला, पाकुरतला, मिल बाजार, बी.ई. कालेज क्षेत्र, इत्यादि में जागरुकता के विभिन्न कार्यक्रम किये गये। 5 जून, 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस के सुअवसर पर ड्राइंग प्रतियोगिता के आयोजन में लगभग 300 बच्चों को मिशन लाइफ प्रिंट किया हुआ प्लास्टिक के बजाय कपड़े के पाउच ड्राइंग किट के साथ केन्द्रीय वनस्पति प्रयोगशाला द्वारा वितरित किये गये। जलवायु परिवर्तन के दुषपरिणामों से बचने के लिये मिशन लाइफ से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम निरंतर जारी हैं और आगे भी होते रहेंगे।

9. **निष्कर्ष–** मिशन लाइफ दुनिया को जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद करने के लिये भारत द्वारा आरम्भ किया गया एक अंतराष्ट्रीय प्रयास है। उपर्युक्त 07 समूहों के अन्तर्गत 75 सूत्री जीवन शैली के विभिन्न बिंदुओं को अपने जीवन में आत्मसात करने का प्रयत्न करें। हम सभी को पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली को स्वयं अपनाना चाहिये और जन–जन को प्रेरित करना चाहिये। आप भी मिशन लाइफ को जानिये उसे अपनाने का प्रयास कीजिये और जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से पर्यावरण को बचाने में अपना योगदान दीजिये।

References

1. PIB Press Release on PM launches Mission LiFE at Statue of Unity in Ekta Nagar, Kevadia, Gujarat dated October 20, 2022.
2. PIB Press Release on World leaders congratulates the Prime Minister for the initiative and pledge support dated October 20, 2022.
3. PIB Press Release on Lifestyle Change to Save the Environment dated April 7, 2022.
4. https://www.niti.gov.in/sites/default/files/2022-10.

मिशन लाइफ रैली

पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली के लिये शपथ

सार्वजनिक स्थानों पर मिशन लाइफ जागरुकता कार्यक्रम

आम जनता को मिशन लाइफ के विभिन्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं से अवगत कराते हुये

स्कूल के बच्चों को मिशन लाइफ के विषय में जानकारी

कालेज के छात्र, छात्राओं को पर्यावरण के लिये अनुकूल जीवन शैली के विषय पर जागरुकता

प्लास्टिक के स्थान पर लकड़ी से बनी वस्तुओं के उपयोग हेतु प्रदर्शनी का आयोजन

5 जून, 2023 को ड्रांइग प्रतियोगिता के आयोजन पर मिशन लाइफ प्रिंट किया हुआ प्लास्टिक के बजाय, ड्रांइग किट युक्त कपड़े के पाउच का वितरण

5 जून, 2023 को ड्रांइग प्रतियोगिता के आयोजन पर मिशन लाइफ प्रिंट किया हुआ प्लास्टिक के बजाय, ड्रांइग किट युक्त कपड़े के पाउच का वितरण